आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 13 अंक : 27 लखनऊ, शुक्रवार 21 अक्टूबर 2022 से 27 अक्टूबर 2022 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक

पटाखों की बिक्री के उल्लंघन पर कार्रवाई तेज

नयी दिल्ली। पुलिस ने अक्टूबर में १३,७०० किलोग्राम से अधिक पटाखे जब्त किए हैं और इस संबंध में ७५ मामले दर्ज किए हैं। आधिकारिक आंकड़ों में यह बताया गया है। इन आंकड़ों में एक अक्टूबर से १६ अक्टूबर तक का रिकर्ड शामिल है। इस अवधि में पुलिस ने भंडारण या बिक्री के लिए रखे गए १३,७६७.७१६ किलोग्राम पटाखे जब्त किए और इस संबंध में ७५ मामले दर्ज किए। उसने पटाखे चलाने संबंधी छह मामले दर्ज किए हैं। दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों ने अवैध पटाखों की बिक्री, भंडारण एवं आपूर्ति के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में छापेमारी की। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वे दो पहलुओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा, ''हम जागरुकता फैला रहे हैं, लोगों को शिक्षित कर रहे हैं और उन्हें समझा रहे हैं कि पटाखे कितने खतरनाक हैं। धुएं के कारण यह पर्यावरण, मनुष्यों और अन्य जीवों के लिए खतरनाक है।'' उन्होंने कहा, ''हम जिस दूसरी चीज पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, वह मांग–आपूर्ति शृंखला है। पटाखों की अवैध बिक्री, भंडारण और आपूर्ति करते पाए जाने वाले

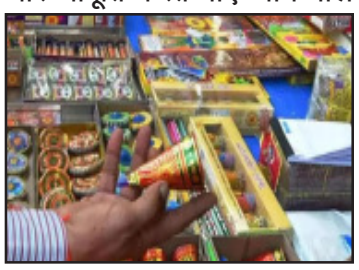

लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।'' चांदनी चौक में स्थानीय पुलिस के सहयोग से एक स्कूल के छात्रों ने पटाखों के खिलाफ बृहस्पतिवार को एक रैली निकाली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को कहा था कि दिल्ली में दिवाली पर पटाखे चलाने पर छह महीने तक की जेल और २०० रुपये जुर्माना हो सकता है। राय ने कहा कि राजधानी में पटाखों के उत्पादन, भंडारण और बिक्री पर विस्फोटक अधिनियम की धारा ६बी के तहत ५,००० रुपये तक का जुर्माना और तीन वर्ष की जेल होगी। दिल्ली सरकार ने सितम्बर में एक आदेश जारी करके अगले साल एक जनवरी तक सभी प्रकार के पटाखों के उत्पादन, बिक्री और इस्तेमाल पर फिर से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था। पिछले दो साल से इस तरह का प्रतिबंध जारी है। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एक बड़ी कार्रवाई के तहत मंडोली औद्योगिक क्षेत्र से दो लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से २,६२५ किलोग्राम अवैध पटाखे जब्त किए। दोनों ने खुलासा किया कि उन्होंने करनाल (हरियाणा) और संगरूर (पंजाब) में वितरकों से पटाखों की खरीद की थी। पुलिस ने एक अन्य अभियान के तहत सोमवार को मदनगीर के केंद्रीय बाजार क्षेत्र से ५३ वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और उसकी दुकान से १,१६३ किलोग्राम पटाखे जब्त किए।

लखनऊ में कोरोना पीछे छूटा हुआ डेंगू डंक हावी

लखनऊ। लखनऊ में डेंगू के डंक का प्रकोप बढ़ रहा है। हर दिन मिलने वाले मरीजों की संख्या के चलते अस्पतालों में बेड की कमी हैं, वहीं पार्क रोड स्थित सिविल अस्पताल में बेड की कमी के चलते सामान्य आपरेशनों को अगले सात दिनों के लिए टाल दिया गया है। इसके अलावा बुखार और टॉयफाइड के मरीज भी तेजी से बढ़ रहे हैं। इस संबंध में सीएमओ मनोज अग्रवाल ने सभी तैयारियों को लेकर गुरुवार को बड़ी बैठक की, वहीं शासन ने भी रिपोर्ट तलब की है। सिविल अस्पताल में करीब ४०० बेड हैं। ७० से ८० फीसदी बेड फुल हो गये हैं। इससे मरीजों की भर्ती का संकट खड़ा हो गया है। सिविल अस्पताल की व्यवस्था पर काबू पाने के लिए सामान्य अपरेशन को फिलहाल के लिए रोक दिया है। यह प्रतिबंध एक सप्ताह के लिए लगाया गया है। वहीं, सर्जिकल में पुरुष व महिला के ५० फीसदी बेड खाली करा लिए गए हैं। उनमें बुखार के मरीज भर्ती किए जा रहे हैं। अस्पताल में रोजाना ३० से ४० छोटे–बड़े ऑपरेशन हो रहे हैं। सबसे ज्यादा हड्डी, मोतियाबिंद, जनरल सर्जरी, पथरी के ऑपरेशन हो रहे हैं। अस्पताल के सीएमएस डॉक्टरों ने बताया कि मौजूदा समय की स्थिति को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने यह फैसला लिया है। एक सप्ताह बाद सामान्य दिनों की भांति मरीजों के अपरेशन हो सकेंगे। बता दें कि मौजूदा समय में डेंगू मरीजों की संख्या कोविड मरीजों की अपेक्षा

८ से ६ गुना प्रतिदिन बढ़ी है। क्योंकि कोविड मरीजों की संख्या प्रतिदिन ४ से ५ है। सीएमओ की ओर से जारी रिपोर्ट के मुतबिक लखनऊ में सात अक्टूबर से तेजी से डेंगू के मरीज बढ़े हैं। ७ अक्टूबर को ३४, ८ अक्टूबर को ३६, ६ अक्टूबर को २०, १० अक्टूबर को १६, ११ अक्टूबर को ३६, १२ अक्टूबर को ३८, १३ अक्टूबर को ३३, १४ अक्टूबर को ३७, १५ अक्टूबर को २८, १६ अक्टूबर को ३२, १७ अक्टूबर को ३०, १८ अक्टूबर को ३४, १६ अक्टूबर को ३० और २० अक्टूबर को सबसे अधिक ४१ मरीज पाये गये।

यूपी में लागू हुई नई दुग्ध नीति

लखनऊ। प्रदेश में नई दुग्ध नीति लागू हो गई है। इसके तहत दुग्ध उद्योग सेक्टर को रियायत दी जाएगी। अगले पांच वर्षों में पांच हजार करोड़ के पूंजी निवेश के लक्ष्य रखा गया है। अपर मुख्य सचिव दुग्ध विकास रजनीश दुबे की ओर जारी शासनादेश के अनुसार 'उप्र दुग्धशाला विकास एवं दुग्ध उत्पादन प्रोत्साहन नीति–२०२२ के क्रियान्वयन के लिए दुग्ध विकास विभाग को नोडल अधिकारी बनाया गया है। यह नीति आगामी पांच वर्षों के लिए प्रभावी होगी। जारी शासनादेश में कहा गया है कि प्रदेश में दुग्ध प्रसंस्करण के स्तर को वर्तमान १० प्रतिशत से बढ़ाकर २५ प्रतिशत तक ले जाया जाएगा व दुग्ध प्रसंस्करण की स्थापित क्षमता को ४४ प्रतिशत से बढ़ाकर ६५ प्रतिशत करने, उच्च गुणवत्ता के

प्रसरेंत दुग्ध उत्पादों को उपभोक्ताओं को सुलभ कराने, बाजार विकास व अन्य राज्यों व देशों के निर्यात को बढ़ावा दिया जाएगा है। प्रदेश की सहकारी संस्थाओं व निजी क्षेत्र के उद्यमियों को दुग्ध प्रसंस्करण व दुग्ध उत्पाद विनिर्माण दुग्धशाला इकाई की स्थापना व क्षमता के विस्तार में रियायतें दी जाएंगी। प्लांट मशीनरी, तकनीकी सिविल कार्य व स्पेयर पार्ट्स की लागत का १० प्रतिशत अधिकतम पांच करोड़ की सीमा तक पूंजीगत अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा। ब्याज सब्सिडी के तहत नई दुग्ध प्रसंस्करण व दुग्ध उत्पाद विनिर्माण दुग्धशाला इकाई स्थापित किये जाने के लिए प्लांट मशीनरी, तकनीकी सिविल कार्य व स्पेयर पार्ट्स के लिए लिये गये ऋण पर देय ब्याज की दर के पांच प्रतिशत की दर से अथवा वास्तविक दर जो भी कम हो, अधिकतम १००० करोड़ रुपये की प्रतिपूर्ति अनुमन्य होगी।

बड़े प्रतिष्ठानों में एसटीएफ और जीएसटी टीम ने की सयुंक्त छापेमारी

लखनऊ। राजधानी में जीएसटी और एसटीएफ की टीम ने गुरुवार को प्रतिष्ठित मिष्ठान भंडारों क्या छापेमारी की है। अभी भी दो बड़े मिठाई कारोबारियों के १५ ठिकानों पर छापेमारी हो रही है। इस कार्रवाई में तीन जोन लखनऊ अयोध्या और कानपुर के लगभग सत्तर अधिकारी शामिल हैं। एसटीएफ के अधिकारियों के मुताबिक छह लोगों से पूछताछ जारी है।

२१ अक्टूबर को केदारनाथ जाएंगे PM मोदी, स्वागत की पूरी तैयारी

नयी दिल्ली। विभिन्न विकास परियोजनाओं की समीक्षा और पहल करने के लिए पीएम मोदी कल केदारनाथ जाएंगे। केदारनाथ में शुक्रवार को कुछ सड़कों और हेमकुंड साहिब रोपवे का शिलान्यास करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केदारनाथ और बद्रीनाथ यात्रा से पहले तैयारियां जोरों पर हैं। बद्रीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के प्रधान पुजारी गंगा धर लिंग ने कहा, श्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले यहां केदारनाथ में तैयारी जोरों पर है। पीएम मोदी कल सुबह केदारनाथ में पूजा–अर्चना करने के साथ ही यहां विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि २०१३ के भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ आपदा के बाद पर्यटन में वृद्धि हुई है। आपदा के बाद, तीर्थयात्रियों में काफी वृद्धि हुई है। हाल ही में, लगभग १५ लाख लोगों ने केदारनाथ धाम का दौरा किया। सड़कों के निर्माण के कारण, भक्तों के लिए तीर्थ की ओर चढ़ाई करना और आसानी से वापस उतरना बहुत आसान होगा। प्रधान पुजारी ने कहा कि सड़कों के विकास और चौड़ीकरण के बाद अधिक लोग मंदिर के दर्शन करेंगे।

अब यूपी में भी होगी मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी में

लखनऊ। मध्य प्रदेश के राह पर अब उत्तर प्रदेश भी चल पड़ा है। अब यूपी में भी मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी में कराई जाएगी। इस पर सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुहर लगा दी है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है कि उत्तर प्रदेश में मेडिकल और इंजीनियरिंग की कुछ पुस्तकों की हिंदी में अनुवाद कर लिया गया है। आगामी साल से प्रदेश के यूनिवर्सिटी और कलेजों में इन विषयों के सिलेबस हिंदी में भी पढ़ने के लिए मिलेंगे। वहीं सूबे के डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार यूपी में मेडिकल व इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी में शुरू करवा रही है। इसके लिए कुछ किताबों को हिंदी में प्रिंट करवा दिया गया है और इसके लिए गठित कमेटी लगातार काम कर रही है।

सम्पादकीय

उलटा हुआ असर

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिका और यूरोप ने रूस पर जो प्रतिबंध लगाए, उनका उलटा असर हुआ। उनसे रूस की अर्थव्यवस्था तो उतनी प्रभावित नहीं हुई, लेकिन यूरोप के लिए तबाही के रास्ते खुल गए। पश्चिम में यह अहसास तीन या चार महीनों के बाद जाकर हुआ। लेकिन तब तक पश्चिम के लिए कदम पीछे खींचने के विकल्प सीमित हो चुके थे। बहरहाल, अमेरिका ने उससे कोई सबक नहीं लिया। हाई टेक में क्षेत्र में चीन की बढ़त रोकने के लिए वह सख्त प्रतिबंधों की राह पर आगे बढ़ा है। लेकिन सेमीकंडक्टर क्षेत्र में उसका ये कदम फिर बैकफायर करता दिख रहा है। द वल स्ट्रीट जर्नल से लेकर द इकनमिस्ट तक में छपी रिपोर्टो और विश्लेषणों में अमेरिकी चिप इंडस्ट्री के संकटग्रस्त होने की चर्चा खुल कर हुई है। काबिल–ए–गौर बात इस उद्योग से जुड़े लोगों की सामने आई यह राय है कि अमेरिकी प्रतिबंधों से हाई टेक क्षेत्र में चीन की प्रगति की रफ्तार तो घटेगी, लेकिन अब वह इतना आगे बढ़ चुका है कि देर–सबेर सेमीकंडक्टर उत्पादन के मामले में आत्म निर्भर हो जाएगा। जबकि दुनिया का सबसे बड़ा बाजार– यानी चीन के हाथ से निकलने के बाद अमेरिका की प्राइवेट सेक्टर की कंपनियां अपने पूंजीगत निवेश मे कटौती के लिए मजबूर हो जाएंगी। इसका असर उनके रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर पड़ेगा। इससे संभव है कि भविष्य में जहां चीन इस क्षेत्र में अग्रणी बन जाए, वहीं अमेरिका का प्रभाव घट जाए। इस सिलसिले में इन तथ्यों का उल्लेख किया गया है कि २०२१ में चीन ने न सिर्फ संख्या बल्कि गुणवत्ता वाले रिसर्च पेपर के प्रकाशन के मामले में भी अमेरिका को आगे छोड़ दिया। इसी वर्ष चीनी कंपनियों ने जहां ७३ हजार से ज्यादा पेंटेट हासिल किए, वहीं अमेरिका के मामले में ये संख्या। ५६ हजार रही। हर साल पढ़ कर बाहर आने वाले इंजीनियर और टेककर्मियों के मामले में चीन काफी पहले आगे निकल चुका है। ऐसे में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में उसका पिछड़ापन स्थायी रहेगा, यह मानने की कोई ठोस वजह नहीं है। इसलिए बेहतर होता अगर अमेरिका प्रतिबंधों की अप्रासंगकिता को समझता। लेकिन ऐसा होने के कोई संकेत नहीं हैं।

योगी आदित्यनाथ ने संघ प्रमुख भागवत से मिलकर शिष्टाचार भेंट की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत से शिष्टाचार भेंट की। सूत्रों के मुताबिक योगी आदित्यनाथ ने भागवत से जनसंख्या असंतुलन सहित अन्य प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। भागवत के मार्गदर्शन में बुध ावार को संपन्न हुई संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की चार दिवसीय बैठक में जनसंख्या असंतुलन, महिला सहभागिता और आर्थिक स्वावलंबन जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बुधवार को कहा था कि मतांतरण और बांग्लादेश से घुसपैठ की वजह से जनसंख्या असंतुलन हो रहा है और धर्म परिवर्तन रोधी कानूनों को सख्ती से लागू किए जाने की जरूरत है। योगी आदित्यनाथ राजधानी लखनऊ से हेलीकप्टर से सीधे गौहनिया आए जहां उन्होंने संघ प्रमुख के साथ करीब एक घंटा बिताया। सूत्रों ने कहा कि आदित्यनाथ ने संघ प्रमुख को २३ अक्टूबर को अयोध्या में होने जा रहे दिव्य दीपोत्सव के लिए निमंत्रण दिया। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने भागवत के साथ दोपहर का भोजन किया और इसके

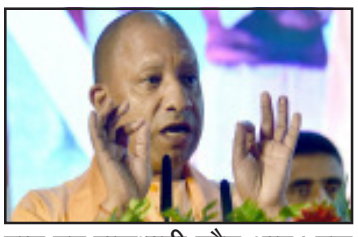

बाद वह राजधानी लौट आए। इस बीच, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आरएसएस जो भी मुद्दे उठाता है वह हमेशा राष्ट्रहित में होता है। जनसंख्या की समस्या को लेकर संघ की चिंता को राष्ट्र का समर्थन मिलेगा। लखनऊ में मीडिया द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे पर कोई नीति लाएगा, मौर्य ने कहा, "एक बार इसे लेकर बैठक हो जाने पर हमें इंतजार करना होगा कि सरकार क्या करेगी। मैं जो कुछ कह रहा हूं वह मेरी व्यक्तिगत राय है।" उन्होंने कहा, "जो लोग इस मुद्दे का विरोध कर रहे हैं, वे बहुत थोड़े हैं। उनमें भी अच्छे लोग इसका समर्थन कर रहे हैं। दस लोगों के लिए बने मकान में यदि १०० लोग रहने लगेंगे तो समस्याएं तो आएंगी ही।" उल्लेखनीय है कि प्रयागराज में १६ से १९ अक्टूबर तक हुई संघ की बैठक के बाद होसबाले ने बुध ावार को संवाददाताओं को बताया था कि संघ मतांतरण पर जागरूकता पैदा करने का प्रयास कर रहा है। इसकी वजह से घर वापसी को लेकर अच्छे पर सामने आए हैं। इस बीच, यहां आरएसएस की बैठक के बाद संघ के उत्तराखंड के प्रांत प्रचारक युद्धवीर यादव और सह प्रचारक देवेंद्र सिंह का दायित्व ले लिया गया है। संघ सूत्रों के मुताबिक युद्धवीर यादव को पूर्वी उत्तर प्रदेश का सह क्षेत्र सेवा प्रमुख बनाया गया है और उनका केंद्र कानपुर होगा। वहीं देवेंद्र सिंह को हरियाणा में गोसेवा का सह क्षेत्र प्रमुख बनाया गया है।

निरीक्षण के समय पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद ने अधिकारियों को लगाई फटकार

लखनऊ। लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह के साथ बुधवार को हजरतगंज स्थित महाराणा प्रताप मार्ग पर कराए जा रहे मार्ग सुधार कार्य का निरीक्षण करने किया। मंत्री के निरीक्षण की सूचना मिलते ही हड़कंप मच गया । इस दौरान अधिकारी सड़क पर अपनी पसंद के हिस्से को दिखाने लगे तो मंत्री ने उनके सुझाए गए स्थान की जगह दूसरे स्थान की खोदाई कराई। इस स्थान पर सड़क की गुणवत्ता बहुत खराब मिली। बस, इसी बात पर मंत्री जितिन प्रसाद बिफर पड़े और इंजीनियरों को जमकर फटकार लगाई। मंत्री जितिन प्रसाद ने कार्यस्थल पर ही कार्य से सम्बन्धित वांछित अभिलेख व कराये गये कार्यों की परीक्षण रिपोर्ट मांगा। मार्ग पर कराए गये डीबीएम कार्य की मोटाई जांची तो मौके पर ५.०० सेमी मोटाई के सापेक्ष ६.०० सेमी मिली। लोक निर्माण मंत्री ने कार्य की गुणवत्ता जांच के लिए डीबीएम

कार्य की कोर की कटिंग भी कराई और काटे गये कोर को सील कर उसकी जांच क्वालिटी प्रमोशन सेल से कराने के निर्देश भी गये। लोक निर्माण मंत्री में विभाग के क्वालिटी प्रमोशन सेल के उपस्थित जांच अधिकारी को भी निर्देश दिया कि इसके परीक्षण में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये। लोक निर्माण मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि निर्माण कार्यों में मानक एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाय।निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर सम्बंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्हों ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मार्ग पर कराए जा रहे अवशेष कार्य मानकों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण तथा शीघ्र पूर्ण कराया जाये। निरीक्षण के समय लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियन्ता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष संदीप कुमार, मुख्य अभियन्ता (मध्य क्षेत्र), अधीक्षण अभियन्ता, लखनऊ वृत्त, अधि ाशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, कार्य के प्रभारी सहायक अभियन्ता एवं अवर अभियन्ता सहित कार्य से सम्बन्धित ठेकेदार मेसर्स श्यामा कान्स्ट्रक्शन की तरफ से उनके प्रतिनिधि पुनीत अग्रवाल उपस्थित थे।

UPPCB ने जारी किए दिवाली पर पटाखों के प्रयोग को लेकर निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अगले सप्ताह सोमवार को दीपावली के मद्देनजर बारूद एवं पटाखे चलाने को लेकर जरूरी दिशा निर्देश जारी किये हैं। बोर्ड की ओर से गुरुवार को बताया गया कि ये दिशानिर्देश सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में जारी किये गये हैं। इसके तहत लोगों से कहा गया है कि वे निर्धारित मानक की आवाज वाले पटाखे ही चलायें। अधिक आवाज वाले पटाखों का प्रयोग न करें। प्रदूषण मानकों के मुताबिक बोर्ड ने १२५ डेसीबिल से १४५ डेसीबिल तक की आवाज उत्पन्न करने वाले पटाखों को ही दीवाली में चलाने की अनुमति दी है। गौरतलब है कि भारत के मुख्य पर्व दीपावली का उत्सव धनतेरस से ही शुरु हो जाता है। इस वर्ष शनिवार को धनतेरस के मद्देनजर बारुद का प्रयोग शुरु होने से पहले बोर्ड ने ये दिशानिर्देश जारी किये हैं। बोर्ड ने इसके तहत शांत क्षेत्रों में विस्फोट की आवाज वाली बारूद चलाने से बचने के लिये लोगों से कहा है। बोर्ड ने शांत क्षेत्र से आशय स्पष्ट करते हुए कहा कि इसके दायरे में शिक्षण संस्थान, न्यायालय, धार्मिक स्थल और अस्पताल के अलावा सक्षम प्राधिकारी द्वारा घोषित स्थल से १०० मीटर के घेरे वाले स्थान को शांत क्षेत्र घोषित किया गया है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अभिभावकों से भी अपील की गयी है कि वे अपने बच्चों को प्रदूषण रहित दीवाली मनाने के लिए प्रेरित करें। साथ ही बोर्ड ने शिक्षण संस्थानों से छात्रों को वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रभावों के बारे में जागरुक करने को कहा है, जिससे वे हरित दीवाली मनाने के लिये प्रेरित हों। बोर्ड ने बाजार में केवल हरित पटाखों की बिक्री किये जाने और लोगों द्वारा हरित पटाखों का ही प्रयोग करने को कहा है। बोरियम साल्ट रहित पटाखों को हरित बारूद की श्रेणी में रखा गया है। बोर्ड ने हरित पटाखों को निर्धारित समय सीमा के भीतर ही चलाने की अनुमति दी है।

मल्लिकार्जुन खड़गे की जीत पर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने जताई खुशी

लखनऊ। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्वाचित होने पर बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में जश्न का माहौल रहा। कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं ने खुशियां मनाईं और मिठाइयां बांटी। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी व प्रांतीय अध्यक्ष नसीमुद्दीन सिद्दीकी के नेतृत्व कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने खुशी मनाते हुए मिष्ठान वितरण व आतिशबाजी की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष खाबरी

ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में कांग्रेस नये आयाम स्थापित करेगी और २०२४ के लोकसभा चुनाव में निश्चित रूप से कांग्रेस की सरकार बनेगी। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ला, प्रांतीय अध्यक्ष योगेश दीक्षित, प्रदेश महासचिव दिनेश सिंह, अनिल यादव, शिव पांडेय, सुबोध श्रीवास्तव, मीडिया संयोजक अशोक सिंह, प्रवक्ता पंकज तिवारी, संजय सिंह, विकास श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

भाजपा सांसद रीता बहुगुणा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

लखनऊ। अदालत में मौजूद गवाह से जिरह न करने और हाजिरी माफी भेजने पर एमपी–एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव ने मौजूदा भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी की ओर से दी गई हाजिरी माफी अर्जी को खारिज करते हुए, उनके विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया है। अदालत ने गवाही के लिए मौजूद गवाह कांस्टेबल दिनेश कुमार यादव की गवाही समाप्त करते हुए, अगली सुनवाई के लिए २ नवंबर की तिथि नियत की है। अदालत ने कहा कि आज की तिथि गवाह से जिरह के लिए नियत थी, बावजूद इसके अभियुक्ता के अधिवक्ता ने जिरह के बजाय हाजिरी माफी की अर्जी पेश की है जिसे खारिज किया जाता है। उल्लेखनीय है कि रीता बहुगुणा जोशी पर आरोप है कि वर्ष २०१२

में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में लोकसभा चुनाव के प्रचार का समय समाप्त होने के बाद चुनाव प्रचार कर आचार संहिता का उल्लंघन कर रही थीं। पत्रावली के अनुसार थाना कृष्णा नगर में स्टैटिक मजिस्ट्रेट मुकेश चतुर्वेदी द्वारा १७ फरवरी २०१२ को दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्हें सूचना मिली थी कि मोहल्ला बजरंग नगर में कांग्रेस पार्टी की प्रत्याशी रीता बहुगुणा जोशी प्रचार का समय समाप्त होने के बावजूद आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए जनसभा कर रही हैं। मुकदमा दर्ज होने के बाद इस मामले की विवेचना उप निरीक्षक राम सहाय द्विवेदी द्वारा की गई तथा उन्होंने ११ मार्च २०१२ को रीता बहुगुणा जोशी के खिलाफ अदालत में धारा १२६ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम तथा धारा १८८ भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत आरोप पत्र दाखिल किया। मामले की अगली सुनवाई अब २ नवंबर को होगी।

शुरू हुई भारतीय सेना में अग्निवीरों की भर्ती रैली

लखनऊ। लखनऊ मध्यकमान की ओर से सेना की अग्निवीर रैली की शुरुआत गुरुवार को हो गई। १३ जनपदों के लिए कानपुर में शुरू हुई भर्ती रैली में पहले दिन ही युवाओं का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला है। लखनऊ मध्य कमान के प्रवक्ता शांतनु प्रताप सिंह ने बताया ये भर्ती रैली कानपुर के अरमरेना स्टेडियम में शुरू हुई है । उन्होंने कहा १३ जिलों के अभ्यर्थियों के लिए यह रैली, १० नवंबर तक जारी रहेगी। रैली के लिए सेना के अधिकारियों द्वारा नागरिक प्रशासन और कानपुर स्थित आयुध कारखानों के समन्वय में विस्तृत व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया की पहले दिन गोंडा जिले की तहसीलों के लिए पहले दिन लगभग ४५०० उत्साही अभ्यर्थी पहुंचे। सेना के अधिकारियों ने सभी उम्मीदवारों को सलाह दी है कि वे सही दस्तावेजों के साथ तैयार होकर आएं और दलालों के बहकावे में न आएं, ऐसा न करने पर उन्हें रैली में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जानकी मंदिर आश्रम में साध्वी से गैंगरेप

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर इलाके के जानकी मंदिर आश्रम में रहने वाली मथुरा निवासी महिला ने नशीला पदार्थ खिला कर आश्रम के चार लोगों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने महिला की तहरीर पर आश्रम के चारों लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन पुलिस इस मामले को संदिग्ध मान रही है और उनका कहना है कि मामले की जांच के बाद ही कार्यवाही होगी। प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र मिश्रा के मुताबिक, मूलरूप से प्रयागराज के करछना निवासी ५७ वर्षीय महिला जानकी मंदिर आश्रम में रहती हैं। उन्होंने बताया, महिला ने तहरीर में आरोप लगाया कि चार अक्टूबर को मुझे नशीला पदार्थ खिला दिया गया जिसके बाद मैं बेहोश हो गयी। महिला ने आरोप लगाया, आश्रम में रहने वाले दुर्वासा, छोटे मौनी, बड़े मौनी और मनमोहन ने उसके साथ बलात्कार किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उसे इन लोगों ने जान से मारने की धमकी भी दी है। मिश्रा के मुताबिक मामले की प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है। पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) प्राची सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और प्रथम ष्टया यह संदिग्ध लग रहा हैं। उन्होंने बताया कि जांच के बाद आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

बहुचर्चित राजू पाल हत्याकांड मामले में माफिया अतीक अहमद पर आरोप तय

लखनऊ। बहुचर्चित राजू पाल हत्याकांड मामले में माफिया अतीक अहमद को गुजरात की साबरमती जेल से लाकर सीबीआई की विशेष न्यायाधीश कविता मिश्रा की अदालत में पेश किया गया। जहां पर उसके विरुद्ध आरोप तय किए गए। अदालत ने मामले में गवाही के लिए ३ नवम्बर की तिथि नियत की है। कोर्ट में सुनवाई के समय अभियुक्त अतीक अहमद को गुजरात की साबरमती जेल से भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पेश किया गया जबकि अभियुक्त अशरफ और फरहान को जिला जेल से लाकर पेश किया गया। मामले में जमानत पर चल रहे रंजीत पाल, आबिद, इसरार अहमद और जुनैद व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में हाजिर थे। इसके बाद मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने अतीक अहमद पर हत्या, हत्या की साजिश व हत्या का प्रयास करने का आरोप तय किया जिस पर अभियुक्तों ने आरोपों से इंकार करते हुए विचारण की मांग की। अभियुक्त अतीक अहमद पर अदालत द्वारा आरोप तय करने के पूर्व सीबीआई की ओर से विशेष लोक अभियोजक दीप नारायण ने कोर्ट में दलील दी कि २५ जनवरी

२००५ को इलाहाबाद पश्चिमी से बसपा विधायक रहे राजू पाल की दिन–दहाड़े गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। इस गोलीबारी में देवी पाल व संदीप यादव की भी मौत हो गई थी जबकि दो लोग गंभीर रुप से घायल हुए थे। इस हत्याकांड की रिपोर्ट राजू पाल की पत्नी पूजा पाल ने थाना धुमनगंज दर्ज कराकर अतीक व उसके भाई अशरफ उर्फ खालिद व आदिम को नामजद किया था। ६ अप्रैल, २००५ को पुलिस ने इस हत्याकांड की विवेचना के बाद अतीक व उसके भाई अशरफ समेत कुल ११ अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया था। इसके बाद १२ दिसंबर, २००८ को राज्य सरकार ने इस मामले की जांच सीबीसीआईडी को सौंप दी थी। १० जनवरी २००६ को सीबीसीआईडी ने पांच अभियुक्तों के खिलाफ अपना पहला पूरक आरोप पत्र दाखिल किया जिसमें मुस्तकिल, मुस्लिम उर्फ गुड्डू, गुलहसन, दिनेश पासी व नफीस कालिया को आरोप बनाया गया था। बाद में २२ जनवरी, २०१६ को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी थी। सीबीआई ने मामला दर्ज कर विवेचना के बाद २० अगस्त २०१६ को अतीक अहमद सहित सभी आरोपियो के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को दस लाख रुपये क्षतिपूर्ति देने के दिए आदेश

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने एक दिव्यांग छात्र को सीट आवंटित होने के बावजूद दाखिला न दिए जाने के मामले में सख्त रुख अपनाया है। न्यायालय ने राज्य सरकार को छात्र को दस लाख रुपये बतौर क्षतिपूर्ति देने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही न्यायालय ने यह भी आदेश दिया है कि उक्त धनराशि सरकार जिम्मेदार पाए जाने वाले अधिकारियों से वसूल सकती है। न्यायालय ने क्षतिपूर्ति देने के लिए दो महीने का समय दिया है, साथ ही यह भी चेतावनी दी है कि यदि दो महीने में क्षतिपूर्ति की रकम नहीं दी जाती तो प्रतिवर्ष नौ प्रतिशत सलाना की ब्याज से उक्त रकम चुकानी होगी। न्यायालय ने छात्र का सिक्युरिटी अमाउंट भी नौ प्रतिशत सालाना ब्याज के साथ वापस करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने छात्र सत्यम वर्मा की याचिका पर पारित किया। याची का कहना था कि प्री–आयुष टेस्ट २०१६ में उसकी कैटेगारी रैंक ५३३६ आई थी। मेडिकल बोर्ड द्वारा उसे ५० से ७० प्रतिशत तक विकलांग पाया गया था। इसके बाद उसने १५ नवम्बर २०१६ को द्वितीय काउंसलिंग में भाग लिया और उसे एक सरकारी कलेज साहू रामनारायण मुरली मनोहर आयुर्वेदिक कॉलेज, बरेली में सीट आवंटित कर दी गई। जब याची वहां दाखिला लेने पहुंचा तो उसे बताया गया कि वहां की सभी सीटें भर चुकी हैं। वहीं याचिका पर जवाब देते हुए, कॉलेज की ओर से कहा गया कि तत्कालीन निदेशक आयुर्वेद द्वारा काउंसलिंग बोर्ड को बताया गया था कि याची ने प्रवेश लेने से मना कर दिया था। याचिका का राज्य सरकार और महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा की ओर से विरोध किया गया। न्यायालय ने सभी परिस्थितियों पर गौर करने के उपरांत पारित अपने आदेश में कहा कि याची के लिए रिक्त राखी गई सीट दूसरे को आवंटित कर गलत किया गया। चिकित्सा शिक्षा व उक्त कॉलेज राज्य सरकार के अंग हैं लिहाजा उनके द्वारा की गए गलत की जिम्मेदारी भी राज्य सरकार की ही है।

को–ऑपरेटिव बैंक से करोड़ो रुपए का फ्रॉड करने वालों को साइबर क्राइम पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। हजरतगंज जिला सहकारी बैंक से आईसीआईसीआई एवं एचडीएफसी बैंक के खाताधारको के खातों में आरटीजीएस के माध्यम से १४६ करोड़ रुपये ट्रान्सफर करने के मामले में दो आरोपियों को साइबर क्राइम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस बारे में बैंक के सहायक महाप्रबन्धक अजय कुमार त्रिपाठी ने फ्राड होने के बाद गोमतीनगर स्थित साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमे रिटायर्ड बैंक कर्मी आर. एस. दुब एवं अज्ञात के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई थी। गिरफ्तार आरोपियों के बारे में सुभाष चन्द्र अपर पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम की ओर से गुरुवार को बताया गया की अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गयी थी जिसकी विवेचना निरीक्षक बृजेश कुमार यादव ओर से की जा रही है। उन्होंने ने बताया की विवेचना के क्रम में तत्काल कार्यवाही करते हुये साइबर क्राइम थाना लखनऊ द्वारा कोअपरेटिव बैंक हजरतगंज के अधिकारियो से सम्पर्क कर लाभार्थी खातो से सम्बन्धित बैंको को मेल भेजकर फ्रड की गयी सम्पूर्ण धनराशि १४६ करोड़ के ट्रान्जेक्शन पर रोक लगा दी गयी तथा बेनीफिशवरी खातो को डेबिट फ्रीज करा दिया गया। विवेचना के क्रम में सीसीटीवी फुटेज व अन्य तकनीकी जांच एवं बेनीफिशयरी खातो की जांच की गयी तथा विधि विज्ञान प्रयोगशाला लखनऊ के माध्यम से तकनीकी साक्ष्य संकलन किया गया तो पाया गया कि आर. एस. दुबे रिटायर्ड बैंक कर्मी पुत्र सुदर्शन दुबे ११/१९३७ सेक्टर ११ इन्दिरा नगर का रहने वाला है. जो की अन्य बैंक कर्मचारी द्वारा अपने साथ है करो साइबर अपराधियो को साथ ले जाकर अपराधिक षडयन्त्र करते हुये पूर्व से चिन्हित बेनीफिशयरी खाताधारको के खातो में धन ट्रान्सफर कराया गया। जिसमें से खाताधारक सागर सोलर प्राइवेट लिमिटेड फर्म के मालिक सुखसागर सिंह चौहान पुत्र प्रहलाद सिंह चौहान निवासी ३७१६५ विराम खण्ड गोमती नगर का रहने वाला है।

अब सीबीआई अधिकारी भी फर्जी की गिरफ्त में

बिजनौर। उत्तर प्रदेश का बिजनौर इन दिनों फर्जी अफसरों के कारण चर्चा में है। पहले नकली पुलिस अधिकारी, नकली कांस्टेबल पकड़े गए, अब सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (ब्ठप्) के दो फर्जी अफसर पुलिस की गिरफ्त में आए हैं। जबकि दो आरोपी भागने में कामयाब रहे। पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी बुधवार को दी। ताजा मामला सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन के चार व्यक्ति अफसर बनकर एक बैंक प्रबंधक को ठगने से जुड़ा हुआ है। पुलिस की गिरफ्त में आए व्यक्तियों के नाम हर्ष और तुषार हैं, जबकि फरार आरोपियों के नाम अनुज और आकाश बताया जा रहा है, जिन्होनें खुद को सेंट्रल ब्यूरो अफ इन्वेस्टीगेशन का अफसर बनकर एक पीड़ित को ठगने की कोशिश की। उन्हें गिरफ्तार करने वाली धामपुर पुलिस ने उनके पास से एक मोबाइल फोन, एक फर्जी पत्रावली और एक फर्जी वांरट पत्र बरामद किए हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बिजनौर डॉ. प्रवीण रंजन ने कहा कि सूचना प्राप्त हुई थी कि धामपुर थाना क्षेत्र न्यू धामपुर सिटी कलोनी में मंगलवार को जब चार युवकों ने खुद को एक सीबीआई टीम के सदस्य के रूप में पेश किया, और बैंक मैनेजर नीरज कुमार के घर पहुंचे। तत्काल सूचना पर पुलिस मौके पहुंची और दोनो आरोपियों पकड़ लिया गया। सीबीआई टीम के बारे में पूछने पर वे कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सके। जबकि दो साथी भागने में कामयाब रहे। पीड़ित नीरज शर्मा ने बताया कि, उनके बैंक, इनकम और संपत्ति के कागजात मांगे। उनको सीबीआई टीम पर जब संदेह हुआ, और दस्तावेज दिखाने से इनकार कर दिया। इस पर चारों युवकों ने बैंक मैनेजर को पुलिस बुलाने की धमकी दी। वहीं जब बैंक मैनेजर ने खुद पुलिस बुलाने की बात कही, तो आरोपी युवक बौखला गए और भागने का प्रयास करने लगे। बैंक मैनेजर ने शोर शराबा कर स्थानीय लोगों की मदद से दो आरोपियों को पकड़ लिया, और पुलिस को सूचना दी। जबकि दो युवक फरार हो गए। एसपी ने कहा कि आरोपी हर्ष और तुषार के खिलाफ आईपीसी की धारा १७१, ४६८, ४६५, ४६६, ४२०, ४५२, ४७१, ३४२, ३८६, ५०६, १२० बी के तहत मामला दर्ज किया गया है। फरार आरोपियों की गिफ्तारी के लिए टीम लगा दी गई है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि उसके कुंत्यों का पता लगाने के लिए मामले की और जांच की जा रही है।

स्कूल जा रहे बच्चों का काल बनी तेज रफ्तार कार, दो सगी बहनों समेत तीन बच्चों की मौत

गोंडा। यूपी में मंगलवार को भीषण सड़क हादसे में तीन बच्चों की मौत हो गई। यूपी के गोंडा जिले में ये हादसा सुबह उस वक्त हुआ जब चार बच्चे स्कूल जा रहे थे। तभी एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने चारों बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे तीन बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि, एक घायल बच्चे का इलाज अस्पताल में चल रहा है। इस दुखद घटना पर सीएम योगी ने दुख व्यक्त किया है और घायल लड़की के इलाज के समुचित निर्देश दिये हैं। जानकारी के मुताबिक, यह दर्दनाक हादसा लखनऊ–गोंडा हाइवे पर चौरी चौराहे के पास हुआ। हादसे का शिकार हुए मृतक बच्चे चौरी गांव के मजरा सूबेदार पुरवा के है। बताया जा रहा है कि, हर रोज की तरह सुबह तैयार होकर चारों बच्चे घर से स्कूल जाने के लिए पैदल ही निकले थे। बच्चे चौरी चौराहे के पास पहुंचे ही थे कि कार उनका काल बनकर आ गई। दो सगी बहनों समेत तीन बच्चों की मौत

से पूरे गांव में कोहराम मचा हुआ है। परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि, हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार गया। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस अधिकारी पहुंच गए और स्थिति को संभाला। सीसीटीवी कैमरे में हत्यारे चालक की कार कैद हो गई जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है।

गंगा में नाव पलटने से १५ लोग डूबे, १ की मौत

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के हस्तिनापुर विधानसभा क्षेत्र के भीमकुंड गंगा घाट पर मंगलवार की सुबह एक नाव पलट जाने से गंगा नदी में १५ लोग डूब गए। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार हस्तिनापुर विधानसभा क्षेत्र के अलग–अलग गांव के रहने वाले किसान, सरकारी शिक्षक भीमकुंड गंगा घाट पर पुल की एप्रोच रोड टूटने के कारण गंगा नदी को नाव में बैठकर पार कर बिजनौर जिले के जलीलपुर ब्लाक में जा रहे थे। तभी उनकी नाव असंतुलित होकर पलट गई। इसमे सवार एक महिला व १४ पुरुष नदी में डूब गए। इनमें से अमरीश, अरुण, मनीष, रवींद्रा, सोहन, देवेंद्र, लिकन पाल, सोनू चौहान, अंकित चौहान तैरकर बाहर निकल आए जबकि एक व्यक्ति की मौत हो गई। और

दो लोग अभी भी लापता हैं। कलेक्टर दीपक मीणा ने बताया है कि हस्तिनापुर विधानसभा क्षेत्र के भीमकुंड गंगा घाट पर पानी में १५ लोग डूबे थे। एनडीआरएफ की टीम मौके पर मौजूद है। रेस्क्यू दल बचाव कार्य में लगा हुआ है। रेस्क्यू दल ने अब तक १२ लोगो को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। जबकि मोनू शर्मा नाम के व्यक्ति की पानी मे डूबने से मौत हो गई। और दो लोग अभी भी लापता हैं। जिन्हें रेस्क्यू दल ढूंढने का कार्य कर रहा है।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ नाव हादसे का संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद सभी अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जिलाधिकारी, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और एनडीआरएफ की टीम को मौके पर जाकर राहत कार्य को युद्धस्तर पर कराने के निर्देश दिए हैं।

दो दिन तक ५ लोग करते रहे गैंगरेप, फिर बोरी में बंद कर फेंक गए सड़क किनारे

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से बेहद ही शर्मसार और दिल को दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला के साथ बदमाशों ने पहले गैंगरेप किया और बाद में उसे बोरी में बंद कर सड़क किनारे फेक फरार हो गए। इलाके में हुई इस सनसनीखेज घटना को लेकर गाजियाबाद एसएसपी को नोटिस जारी किया गया है। पुलिस के अनुसार, दिल को दहलाने वाली ये घटना गाजियाबाद के थाना नंदग्राम क्षेत्र के राजनगर एक्सटेंशन में सामने आई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि, सड़क किनारे एक महिला बोरी में बंद पड़ी है। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर महिला को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। दरिंदगी

के इस मामले में पुलिस ने अब तक चार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि अन्य की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, ये पूरा मामला प्रपर्टी विवाद को लेकर है। लड़की दिल्ली की रहने वाली है और नंदग्राम में अपने भाई के घर आई थी।

जनसंख्या असंतुलन की जड़ है धर्मांतरण और घुसपैठः आरएसएस

प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ै) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बुधवार को कहा कि संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में जिन विषयों पर चर्चा हुई, उनमें जनसंख्या (चवचनसंजपवद) असंतुलन भी एक प्रमुख विषय रहा। बैठक के समापन पर संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि देश में किसी ना किसी प्रकार से धर्मान्तरण (बवदअमतेपवद) करने की साजिश से जनसंख्या में असंतुलन उत्पन्न हुआ। जिला मुख्यालय से २५ किलोमीटर दूर यमुनापार गौहनिया स्थित एक विद्यालय परिसर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए होसबाले ने कहा कि जनसंख्या असंतुलन के लिए दूसरा कारण घुसपैठ है। बांग्लादेश के रास्ते उत्तर बिहार के पूर्णिया, कटिहार जैसे जिलों और अन्य राज्यों में भी जनसंख्या असंतुलन देखने को मिला है। होसबाले ने कहा कि धर्मान्तरण रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं, लेकिन इन कानूनों को सख्ती से लागू किए जाने की जरूरत है। हालांकि संघ इस संबंध में जनजागरण के प्रयास कर रहा है, जिसकी वजह से घर वापसी

को लेकर अच्छे परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि धर्मान्तरण होने से हिंदुओं की संख्या कम हो रही है। देश के कई हिस्सों में धर्मान्तरण की साजिश चल रही है। कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों में घुसपैठ भी हो रही है। सरकार्यवाह ने कहा कि जनसंख्या असंतुलन के कारण कई देशों में विभाजन की नौबत आई है। भारत का विभाजन भी जनसंख्या असंतुलन के कारण हो चुका है। अनुसूचित जाति के लोगों द्वारा धर्मान्तरण किये जाने के बाद उन्हें आरक्षण का लाभ मिलने के मुद्दे पर होसबाले ने कहा, संघ ने पहले से कहा है कि जो धर्मान्तरण करते हैं, उन्हें आरक्षण की सुविधा नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर निर्णय करने के लिए सरकार द्वारा पूर्व प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति बालेष्ण की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। समिति इस मामले में अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट देगी। होसबाले ने कहा कि चारदिवसीय बैठक में हिंदू समाज में विभिन्न गतिविधियों में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने पर चर्चा हुई। महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में आगे आ रही हैं और सामाजिक कार्यों में भी निर्णय प्रक्रिया में उनकी सहभागिता बढ़नी चाहिए। देश तभी आगे बढ़ेगा, जब महिलाओं की सहभागिता सभी क्षेत्रों में होगी। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि देश में जनसंख्या विस्फोट चिंताजनक है। इसलिए इस विषय पर समग्रता और एकात्मता से विचार करके सभी पर लागू होने वाली जनसंख्या नीति बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में संसाधन सीमित हैं। इस पर देश में जन जागरण और प्रबंधन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वर्ष २०२४ के अंत तक हिंदुस्तान के सभी मंडलों में शाखा पहुंचाने की योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि कई प्रांतों ने ६६ फीसदी तक काम पूरा कर लिया है। चित्तौड़, ब्रज तथा केरल प्रांत में मंडल स्तर तक शाखाएं खुल गई है। देश में पहले ५८ हजार स्थानों पर संघ की शाखाएं थी। वर्तमान में ६१,१००० से अधिक स्थानों पर शाखा लग रही है। साप्ताहिक मिलन में भी ४००० की बढ़ोतरी हुई है। सरकार्यवाह ने बताया कि वर्ष २०२५ में संघ की स्थापना के १०० वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस निमित्त संघ कार्य के लिए समय देने के लिए देशभर में तीन हजार युवक शताब्दी विस्तारक के नाते निकले हैं। अभी एक हजार शताब्दी विस्तारक और निकलने है। सरकार्यवाह ने बताया कि बैठक में अखिल भारतीय कार्यकारिणी, सभी ग्यारह क्षेत्रों एवं ४५ प्रांतों के संघचालक, कार्यवाह और प्रचारक हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में ३७६ पदाधिकारियों में से ३७२ उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश के बाद उत्तर प्रदेश की हिंदी में ऐतिहासिक पहल

डॉ. सौरभ मालवीय मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार ने हिंदी भाषा में चिकित्सा की पढ़ाई प्रारम्भ करके शिक्षा के क्षेत्र में इतिहास रच दिया है। इस पहल के लिए मुख्यमंत्री शिवराज चौहान की सरहाना की जानी चाहिए। भारत एक विशाल देश है। यहां के विभिन्न राज्यों की अपनी क्षेत्रीय भाषाएं हैं। स्वतंत्रता के पश्चात से ही मातृभाषा को प्रोत्साहित करने की बातें चर्चा में रही हैं, परंतु इनके विकास के लिए कोई ठोस उपाय नहीं किए गए। इसके कारण प्रत्येक क्षेत्र में विदेशी भाषा अंग्रेजी का वर्चस्व स्थापित हो गया। अब भारतीय जनता पार्टी की सरकारों ने देश के विभिन्न राज्यों की मातृभाषाओं के विकास का बीड़ा उठाया है। इसका प्रारम्भ मध्य प्रदेश से हुआ है। मध्य प्रदेश के पश्चात अब उत्तर प्रदेश में भी चिकित्सा एवं तकनीकी पढ़ाई हिंदी में होगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने ट्वीट के माध्यम से इसकी घोषणा करते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश में मेडिकल और इंजीनियरिंग की कुछ पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद कर दिया गया है। आगामी वर्ष से प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में इन विषयों के पाठ्यक्रम हिंदी में भी पढ़ने के लिए मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि गत १६ अक्टूबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भोपाल में चिकित्सा शिक्षा की हिंदी भाषा की तीन पुस्तकों का विमोचन किया। इनमें एमबीबीएस प्रथम वर्ष की एनाटमी, फिजियोलजी एवं बायो केमिस्ट्री की पुस्तकें सम्मिलित हैं, जिनका हिन्दी में अनुवाद किया गया है। उल्लेख करने योग्य बात यह भी है कि चिकित्सीय शब्दावली को ज्यों का त्यों रखा गया है, क्योंकी संपूर्ण पाठ का हिंदी में अनुवाद करना संभव नहीं है। यदि ऐसा किया जाता है, तो इससे छात्रों के लिए कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

राज्य के १३ राजकीय महाविद्यालयों में हिंदी में चिकित्सा की पढ़ाई प्रारम्भ हो गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस पहल के लिए शिवराज सरकार को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन शिक्षा के क्षेत्र में नवनिर्माण का दिन है। शिवराज सरकार ने देश में सर्वप्रथम चिकित्सा की हिंदी में पढ़ाई प्रारम्भ करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की इच्छा की पूर्ति की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंदी, तमिल, तेलुगू, मलयालम, गुजराती, बंगाली आदि सभी क्षेत्रीय भाषाओं में चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि देश के विद्यार्थी जब अपनी भाषा में पढ़ाई करेंगे, तभी वह सच्ची सेवा कर पाएंगे। साथ ही लोगों की समस्याओं को ठीक प्रकार से समझ पाएंगे। चिकित्सा के पश्चात अब १० राज्यों में इंजीनियरिंग की पढ़ाई उनकी मातृभाषा में प्रारम्भ होने वाली है। देशभर में आठ भाषाओं में इंजीनियरिंग की पुस्तकों का अनुवाद का कार्य प्रारम्भ हो चुका है और कुछ ही समय में देश के सभी विद्यार्थी अपनी मातृभाषा में चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करना प्रारम्भ करेंगे। मैं देश भर के युवाओं से कहता हूं कि अब भाषा कोई बाध्यता नहीं है। आप इससे बाहर आएं। आपको अपनी मातृभाषा पर गर्व करना चाहिए। अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करके आप अपनी प्रतिभा का और अच्छी तरह प्रदर्शन करने के लिए स्वतंत्र हैं। मातृभाषा में व्यक्ति सोचने, समझने, अनुसंधान, तर्क एवं कार्य और अच्छे ढंग से कर सकता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भारतीय छात्र जब मातृभाषा में चिकित्सा और तकनीकी शिक्षा का अध्ययन करेंगे तो भारत विश्व में शिक्षा का बड़ा केन्द्र बन जाएगा। जो लोग मातृभाषा के समर्थक हैं, उनके लिए आज का दिन गौरव का दिन है। उन्होंने नेल्सन मंडेला का स्मरण करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति के सोचने की प्रक्रिया अपनी मातृभाषा में ही होती है। नेल्सन मंडेला ने कहा था कि अगर व्यक्ति से उसकी मातृभाषा में बात करें तो वह बात उसके दिल में पहुंचती है। यह सर्वविदित है कि मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करना अत्यंत सहज एवं सुगम होता है। अपनी मातृभाषा में विद्यार्थी किसी भी विषय को सरलता से समझ लेता है, जबकि अन्य भाषा में उसे कठिनाई का सामना करना पड़ता है। विश्व भर के शिक्षाविदों ने मातृभाषा में शिक्षा प्रदान किए जाने को महत्व दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार अपनी मातृभाषा में चिकित्सा की पढ़ाई करवाने वाले देशों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था अन्य देशों से अच्छी स्थिति में है। चीन, रूस, जर्मनी, फ्रांस एवं जापान सहित अनेक देश अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। सर्वविदित है कि ये देश लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अग्रणी हैं। इन देशों ने अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करके ही उन्नति प्राप्त की है। यदि स्वतंत्रता के पश्चात भारत में भी मातृभाषा में चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा प्रदान की जाती तो हम भी आज उन्नति के शिखर पर होते। उल्लेखनीय है कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि हिंदी में चिकित्सा की पढ़ाई प्रारंभ होने से देश में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन आएगा। लाखों छात्र अपनी भाषा में अध्ययन कर सकेंगे तथा उनके लिए कई नये अवसरों के द्वार भी खुलेंगे। निसंदेह ग्रामीण परिवेश एवं मध्यम वर्ग के हिंदी माध्यम में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए चिकित्सा एवं तकनीकी पढ़ाई सुगम हो जाएगी, क्योंकि उन्हें चिकित्सा विज्ञान की पुस्तकों में अंग्रेजी भाषा के कठिन शब्द समझने में कठिनाई होती है। चिकित्सा एवं इंजीनियरिग की शिक्षा के पश्चात विज्ञान, वाणिज्य एवं न्याय की शिक्षा भी मातृभाषा में होनी चाहिए। न्यायिक क्षेत्र में सारे कार्य भी मातृभाषा में होने चाहिए। न्यायिक मामलों की कार्यवाही भी मातृभाषा में होनी चाहिए। प्राय रू न्यायालयों का सारा कार्य अंग्रेजी में होता है। लोगों को पता नहीं होता कि अधिवक्ता न्यायाधीश से क्या कह रहा है और क्या नहीं। उन्हें कार्यवाही की कोई जानकारी नहीं होती। अपनी मातृभाषा में न्यायिक कार्य होने से लोगों को आसानी हो जाएगी। कुछ लोग हिंदी में चिकित्सा एवं तकनीकी की पढ़ाई का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि छात्रों को हिंदी में पुस्तकें उपलब्ध नहीं होंगी। वास्तव में यही वे लोग हैं, जो अंग्रेजी का वर्चस्व स्थापित रखने के पक्ष में हैं। ये लोग नहीं चाहते कि भारतीय भाषाएं उन्नति करें। ऐसे लोगों के कारण ही स्वतंत्रता के पश्चात भी अंग्रेजी फलती–फूलती रही तथा भारतीय भाषाओं का विकास अवरुद्ध होता चला गया। वर्तमान में इन विषयों की बहुत सी पाठ्य पुस्तकें हिंदी में उपलब्ध नहीं हैं, किन्तु अभी चिकित्सा एवं तकनीकी पुस्तकों का अनुवाद का कार्य चल रहा है। पाठ्यक्रम की पुस्तकों के अतिरिक्त चिकित्सा से संबंधित अन्य पुस्तकों का अनुवाद का कार्य भी होगा। भविष्य में इन विषयों की पुस्तकों का कोई अभाव नहीं रहेगा। इसलिए पुस्तकों की उपलब्धता के कारण इस नई पहल का विरोध करना उचित नहीं है। पूर्व में अंग्रेजी भाषा का अच्छा ज्ञान न होने के कारण योग्य एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थी चिकित्सा एवं तकनीकी आदि विषयों की पढ़ाई नहीं कर पाते थे, किन्तु अब भाषा की बाधा दूर हो रही है। अब अंग्रेजी भाषा विद्यार्थियों के सुनहरे भविष्य के आड़े नहीं आएगी। यह देश का दुर्भाग्य है कि हिंदी को देश की राजभाषा घोषित करने पश्चात भी एक राजनीतिक षड्यंत्र के कारण विदेशी भाषा अंग्रेजी में कार्य करने को विशेष महत्व दिया जाता रहा है। अंग्रेजी के कारण हिंदी सहित लगभग सभी भारतीय भाषाएं पिछड़ती चली गईं। ये सब भाषाएं आज भी अपने मान–सम्मान के लिए संघर्ष कर रही हैं। किन्तु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों से चिकित्सा एवं तकनीकी पढ़ाई हिंदी में प्रारम्भ होने से यह आशा जगी है कि भारतीय भाषाओं को उनका खोया हुआ मान–सम्मान पुनरू प्राप्त हो सकेगा। लेखक..माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल में सहायक प्राध्यापक है)

काशी में आतंक का जाल फैला रहा था आईएसआईएस आतंकी, एनआईए ने धर दबोचा

वाराणसी। बाबा विश्वनाथ की ध रा काशी से राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने एक संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया है। यह आतंकी यहां आईएस आईएस के निर्देश पर आतंकवादी हिंसा के जरिए भारत के खिलाफ हिंसक जिहाद छेड़ने के लिए युवाओं को तैयार करने की फिराक में था। जानकारी के मुताबिक, एनआईए ने बुधवार को उत्तर प्रदेश और दिल्ली में दो स्थानों पर छापेमारी करते हुए आंतकी संगठन आईएसआईएस के 'वॉयस ऑफ हिंद मॉड्यूल' के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। एजेंसी अधिकारी के अनुसार, वाराणसी के निवासी बासित कलाम सिद्दीकी को प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन आईएसआईएस द्वारा आतंकवादी हिंसा के जरिए भारत के खिलाफ हिंसक जिहाद छेड़ने के लिए युवाओं को चरमपंथी बनाने और उन्हें भर्ती करने की साजिश के चलते गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार, २४ साल का संदिग्ध आतंकी बासित कलाम सिद्दीकी के आईएसआईएस आकाओं के साथ करीबी संपर्क थे और वह 'वयस अफ खुरासान' पत्रिका के जरिए आईएसआईएस के लिए प्रचार सामग्री तैयार करने और उसका प्रसार करने में शामिल था। अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि, अफगानिस्तान स्थित अपने आकाओं के निर्देश पर सिद्धीकी विस्फोटक बनाने की कोशिश कर रहा था और आईईडी विस्फोटक बनाने के लिए घातक रासायनिक पदार्थों के उपयोग के संबंध में जानकारी जुटा रहा था। वह भारत में युवकों को कट्टरपंथी बनाने और उन्हें संगठन में भर्ती करने में सक्रिय भूमिका निभा रहा था। एजेंसी ने तलाशी के दौरान मोबाइल फोन, लैपटप और पेन ड्राइव आदि जब्त किए गए। इसके अलावा कई आपत्तिजनक आलेख भी बरामद किए है जो आईईडी और विस्फोटक बनाए जाने के तरीको से संबंधित थे।

तो खरगे 'बलि का बकरा'!

लखनऊ। मल्लिकार्जुन खरगे के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के एक दिन बाद बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने बृहस्पतिवार को १३७ साल पुरानी पार्टी पर दलितों को अपने बुरे समय में ही याद करने और उन्हें 'बलि का बकरा' बनाने का आरोप लगाया। खरगे (८०) कर्नाटक से एक दलित नेता हैं और वह पार्टी अध्यक्ष पद के लिए चार दिन पहले हुए ऐतिहासिक चुनाव में ६६ वर्षीय शशि थरूर को हराकर २४ साल में पहले गैर–गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बने हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा, कांग्रेस का इतिहास गवाह है कि इन्होंने दलितों व उपेक्षितों के मसीहा परमपूज्य बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर और इनके समाज की हमेशा उपेक्षाधतिरस्कार किया। इस पार्टी को अपने अच्छे दिनों में दलितों की सुरक्षा व सम्मान की याद नहीं आती बल्कि बुरे दिनों में इनको बलि का बकरा बनाते हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी को अपने अच्छे दिनों के लंबे समय में अधिकांशतः गैर–दलितों को एवं वर्तमान की तरह अपने बुरे दिनों में दलितों को आगे रखने की याद आती है। क्या यह छलावा व छद्म राजनीति नहीं? लोग पूछते हैं कि क्या यही है कांग्रेस का दलितों के प्रति वास्तविक प्रेम? गांधी परिवार के विश्वासपात्र माने जाने वाले खरगे २६ अक्ट्रबर को कांग्रेस अध्यक्ष पद का कार्यभार संभालेंगे।

'बिग बॉस' विवादों का घर

मुम्बइ। बॉलीवुड में 'बचपन' नाम की कई फिल्में बनी हैं। इनमें से एक 'बचपन' १९६३ में आई थी जिसका निर्देशन नजीर ने किया था। इसके कलाकारों में डेविड, जीवन, मनोरमा, डेजी ईरानी ऐसे नाम थे जिन्हें आज भी बहुत से लोग जानते हैं। इसमें सलीम खान ने भी काम किया था जो कुछ फिल्में करने के बाद अभिनेता से पटकथा और संवाद लेखक बन गए और सबको मालूम है कि जावेद अख्तर के साथ बनी उनकी जोड़ी ने उस दौर में कैसा हंगामा खड़ा किया था। सलीम–जावेद की जोड़ी ने तब हिंदी फिल्मों की धारा को ही मोड़ कर रख दिया था। उन दिनों फिल्मों के पोस्टरों पर बाकायदा सलीम–जावेद का नाम लिखा जाता था। पोस्टरों पर किसी पटकथा लेखक का नाम आना अपने आप में एक ऐसा कमाल था जो न उससे पहले हुआ और न बाद में। इन्हीं सलीम खान के सबसे बड़े बेटे हैं अपने सलमान खान, जिनके प्रेजेंटेशन वाले टीवी शो 'बिग बस' को लेकर इन दिनों एक विवाद चल रहा है। यह इस शो का सोलहवां संस्करण है और याद नहीं पड़ता कि इसके साथ विवाद कब नहीं रहा। बहुत से लोग मानते हैं कि ये विवाद शो के निर्माता जानबूझ कर पैदा करवाते हैं ताकि किसी तरह शो की रेटिंग बरकरार रहे। लेकिन इस बार मामला कुछ गंभीर हो चला है और कोई पक्के तौर पर नहीं कह सकता कि क्या जानबूझ कर इसे गंभीर बनाया जा रहा है। विवाद यह है कि इस बार 'बिग बॉस' के घर में रहने के लिए जिन लोगों को चुना गया उनमें साजिद

खान भी हैं। साजिद खान टीवी प्रेजेंटेटर हैं और 'हिम्मतवाला' और 'हाउसफुल' जैसी हल्की–फुल्की फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। इन जनाब पर २०१८ में 'मी टू' अभियान के तहत फिल्मों, मॉडलिंग और पत्रकारिता से जुड़ी कम से कम दस महिलाओं ने यौन शोषण के आरोप लगाए थे। इसके चलते इंडियन फिल्म एंड टेलीविजन एसोसिएशन ने साजिद को एक साल के लिए बैन कर दिया था। लेकिन अब उन्हें 'बिग बॉस' के लिए चुने जाते ही यह मामला फिर से भड़क उठा है।उन आरोप लगाने वाली महिलाओं में से कुछ ने 'बिग बॉस' में उनके चयन पर आपत्ति की है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर को पत्र लिख कर साजिद पर लगे आरोपों को देखते हुए उन्हें 'बिग बॉस' से बाहर करने की मांग की है। जवाब में फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लइज ने साजिद का बचाव किया है। इस फेडरेशन ने भी अनुराग ठाकुर को पत्र लिखा है जिसमें कहा गया है कि 'मी टू' वाली शिकायतें मिलने पर भारतीय फिल्म और टेलीविजन निदेशक संघ ने साजिद खान को एक साल के लिए बैन किया था और वे अपनी सजा काट चुके हैं। यह बैन मार्च २०१९ में ही पूरा हो चुका था। फेडरेशन का कहना है कि साजिद को उसी अपराध के लिए दोबारा सजा नहीं दी जा सकती और अब उन्हें अपना करियर फिर से शुरू करने और जीविका कमाने का मौका मिलना चाहिए। मगर शर्लिन चोपड़ा और कनिष्का सोनी आदि साजिद की वापसी का विरोध कर रही हैं। इनमें से कनिष्का वही टीवी कलाकार हैं जो कुछ समय पहले खुद से ही शादी करने के कारण खबरों में आई थीं। शर्लिन और कनिष्का, दोनों को ही कोई बड़ी कलाकार नहीं कहेगा, लेकिन 'मी टू' वाले मामले में यह कतई जरूरी नहीं कि शिकायत करने वाली महिला कोई कलाकार हो या बड़ी कलाकार हो। असल में फिल्मों में ब्रेक या बड़ा ब्रेक पाने के लिए कई महिलाएं कुछ भी करने को तैयार हो जाती हैं। यह देख कर हमारे कई छोटे और बड़े फिल्मकार इसे अपना अधिकार समझने लगते हैं। वैसे यह समस्या हर क्षेत्र और हर पेशे में है। पत्रकारिता में भी है। कुछ साल पहले दिवंगत कथाकार राजेंद्र यादव ने न्यूज चौनलों में चल रही इस समस्या पर 'हंस' का एक पूरा अंक निकाला था। एमजे अकबर और तरुण तेजपाल का किस्सा भी सबने देखा। ऐसे अनगिनत किस्से अपनी टीवी इंडस्ट्री में मौजूद हैं। हर पेशे के रसूखदार लोगों को इस समस्या से निपटने के बारे में सोचना चाहिए। निर्माता– निर्देशक करण जौहर ने हाल में ट्विटर से हटने की घोषणा की है। ऐसा उन्होंने नेगेटिव एनर्जी से बचने और ज्यादा से ज्यादा पॉजिटिव एनर्जी के संचय की खातिर किया है। मगर उन जैसे बड़े फिल्मकारों को उस नेगेटिव एनर्जी को समाप्त करने के बारे में भी सोचना चाहिए जो फिल्मों और टीवी में काम करने की इच्छुक महिलाओं को लगभग रोजाना सहनी पड़ती है। जिन साजिद खान को 'बिग बॉस' में लेने पर यह विवाद चल रहा है वे जानी–मानी निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान के भाई हैं। इन दोनों की मां का नाम मेनका ईरानी है जिन्होंने कामरान खान से विवाह किया। इन मेनका ईरानी ने भी कई फिल्मों में काम किया था और जिसे उनकी सबसे अहम फिल्म माना जाता है वह वही 'बचपन' थी जिससे हमने इस चर्चा की शुरूआत की। कैसा अजीब संयोग है कि इस फिल्म के संगीतकार सरदार मलिक थे जिनके बेटे और आज के बड़े संगीत निर्देशक अनु मलिक पर भी 'मी टू' के आरोप लगे। इस संयोग का आप कुछ नहीं कर सकते और कोई भी व्यक्ति अपने बड़े हो चुके बच्चों के किसी भी कृत्य के लिए जिम्मेदार नहीं हो सकता।

अद्भुत ताल : हिमांचल का चंद्रताल

अमरेन्द्र सहाय अमर

चंद्रताल हिमाचल प्रदेश की एक आकर्षक झील है, जो लाहौल–स्पीति जिले के अंतर्गत समुद्र तल से ४२५० मीटर की ऊंचाई पर स्थित है. इस झील का आकार अर्धचांद की तरह है, इसलिए इसका

नाम चंद्रताल पड़ा यानी चांद की झील. यह एक साफ पानी की झील है, जिसका पानी शीशे की तरह चमकता है और पूरी तरह प्रदूषण मुक्त है. माना जाता है कि झील का यह क्षेत्र कभी स्पीति और कुल्लू जाने वाले तिब्बत और लद्दाखी व्यापारियों का महत्वपूर्ण स्थल हुआ करता था. लेकिन अब यह झील पूरे विश्व को अपनी ओर आकर्षित करती है.चन्द्र ताल का व्यास लगभगढाई किलोमीटर है तथा झील के चारों ओर विशाल मैदान हैं, जो कि वसंत/गरमी के मौसम में कई प्रकार की वनस्पति व जंगली फूलों से भर जाता है. चरवाहे इसे चरागाहों के रूप में प्रयोग करते हैं और पर्यटक कैंप लगाने के लिए. झील के बीचों बीच एक टापू भी है, जिसे समुद्र टापू कहा जाता है. बता दें कि चंद्रताल झील पवित्र मानी जाती है. यहां पर नहाने में मनाही है. आज तक यह पता नहीं चल पाया है कि यह कितनी गहरी है. ऐसे में यहां पर नहाना जान को जोखिम में डालने के बराबर है. अगस्त २०२० में भी यहां पर मनाली का १९ साल का युवक डूब गया था. झील में उतरने पर मनाही को लेकर यहां साइन बोर्ड भी लगाए गए हैं.यहां साल भर एडवेंचर के शौकीनों का आवागमन लगा रहता है. इस झील से एक पौराणिक किवदंती भी जुड़ी है, माना जाता है कि यह वो स्थान है जहां भगवान इंद्र के रथ ने युधिष्ठिर को उठाया था, युधिष्ठिर पांच पांडवों में से सबसे बड़े थे. चूंकि यह एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है, इसलिए यहां साल भर सैलानियों का आवागमन लगा रहता है. अगर आप रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां किसी भी समय आ सकते हैं. वैसे यहां आने का सही समय जून से अक्टूबर तक का माना जाता है. यहां सर्दियों के दौरान मौसम काफी प्रतिकूल हो जाता है, और बर्फीले तूफान का खतरा रहता है. सितंबर महीने के दौरान झील की खूबसूरती दुगनी हो जाती है, आप इस दौरान यहां आ सकते हैं. चंद्रताल की यात्रा आपके लिए कई मायनों में खास हो सकती है. यह एक आकर्षक झील है, जिसका चमचमाता पानी पर्यटकों को काफी ज्यादा आनंदित और रोमांचित करता है. यह झील पहाड़ियों और बर्फीली चोटियों से घिरी है, जो आपको काफी ज्यादा उत्साहित करने का काम करेंगी. इसके अलावा चंद्रताल लेक साहसिक ट्रेकिंग के लिए भी जानी जाती है. दूर–दूर से ट्रैवलर यहां ट्रेकिंग का रोमांच भरा आनंद लेने के लिए आते हैं. हैम्पटा पास से चंद्रताल एक प्रसिद्ध ट्रेक है. इस मार्ग में सफर के दौरान आप शानदार पहाड़ी आकर्षणों का आनंद ले सकते हैं. झील के आसपास आप कैंपिग का आनंद भी ले सकते हैं. चंद्रताल झील की खूबसूरती का आनंद लेने के अलावा आप लाहौल स्पीति के अन्य स्थलों की सैर का प्लान बना सकते हैं. आप चंद्रताल से की मठ, कुंजुम पास, सूरज ताल झील, पिन वैली नेशनल पार्क, धनकर मठ, किब्बर, ताबो मठ, त्रिलोकीनाथ मंदिर, धनकर झील आदि स्थलों की सैर का आनंद ले सकते हैं. चंद्रताल झील ट्रेकर्स और कैंपर्स के लिए एक प्रसिद्ध जगह है. झील तक आप बाटल या कुंजुम पास से पैदल मार्ग के जरिए पहुंच सकते हैं. इसके अलावा मोटर बाइक के जरिए भी आप बाटल से यहां तक पहुंच सकते हैं .कुंजुम से चंद्रताल का सफर लगभग २ घंटों का है. आप सूरज ताल से भी यहां आ सकते हैं. कुल्लू मनाली यहां का निकटवर्ती हवाई अड्डा है, रेल मार्ग के लिए आपको जोगिंदर नगर रेलवे स्टेशन का सहारा लेना पड़ता है।

पांच दिनों तक चलने वाला दीपावली का त्योहार सबसे बड़े त्योहारा में से एक

राकेश पाण्डेय 'निश्छल'

भारत त्योहारों का देश है, यहां कई प्रकार के त्योहार पूरे साल ही आते रहते हैं लेकिन दीपावली सबसे बड़े त्योहारों में से एक है। यह त्योहार पांच दिनों तक चलने वाला सबसे बड़ा पर्व होता है। दीपावली हिंदुओं का सबसे बड़ा त्यौहार है दीपावली को बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में जाना जाता है. इसके अलावा इस दिन १४ वर्षों के वनवास के बाद भगवान राम अपनी पत्नी सीता के साथ और अयोध्या में पधारे थे. उनके आने की खुशी में दीपावली का त्यौहार मनाया जाता है. दीपावली का त्यौहार भारत में काफी हर्ष उल्लास और धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस साल दीपों का यह त्योहार सोमवार, २४ अक्टूबर २०२२ पूरे भारतवर्ष में मनाया जाएगा . त्यौहार के पहले सभी लोग अपने घर की साफ सफाई करते हैं। इस दिन माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा विधि विधान के साथ की जाती है। इसके अलावा दीपावली के १ दिन पहले ध नतेरस आता है। उस दिन भगवान कुबेर और धनवंतरी की भी पूजा की जाती है। दीपावली के दिन भारत के सभी राज्यों में

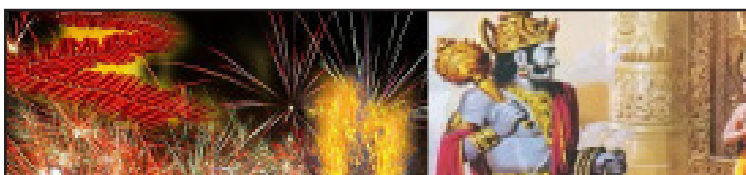

लोग दीप जलाते हैं और अपने घर में माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा विधि विधान से करते हैं ताकि उनके ऊपर उनके विशेष कृपा बनी रहे। दीपावली (संस्कृतः दीपावलिः = दीप . अवलिः = दीपकों की पंक्ति, या पंक्ति में रखे हुए दीपक) शरद ऋतु (उत्तरी गोलार्द्ध) में हर वर्ष मनाया जाने वाला एक प्राचीन सनातन त्यौहार है। यह कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है और भारत के सबसे बड़े और सर्वाधिक महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। दीपावली दीपों का त्योहार है। आध्यात्मिक रूप से यह 'अन्धकार पर प्रकाश की विजय' को दर्शाता है। भारतवर्ष में मनाए जाने वाले सभी त्यौहारों में दीपावली का सामाजिक और ध ार्मिक दोनों दृष्टि से अत्यधिक महत्त्व है। इसे दीपोत्सव भी कहते हैं। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात (हे भगवान!) मुझे अन्धकार से प्रकाश की ओर ले जाइए। इसे सिख, बौद्ध तथा जैन धर्म के लोग भी मनाते हैं। जैन धर्म के लोग इसे महावीर के मोक्ष दिवस के रूप में मनाते हैं तथा सिख समुदाय इसे बन्दी छोड़ दिवस के रूप में मनाता है। माना जाता है। कि दीपावली के दिन अयोध्या के राजा राम अपने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात लौटे थे। अयोध यावासियों का हृदय अपने परम प्रिय राजा के आगमन से प्रफुल्लित हो उठा था। श्री राम के स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीपक जलाए। कार्तिक मास की सघन काली अमावस्या की वह रात्रि दीयों की रोशनी से जगमगा उठी। तब से आज तक भारतीय प्रति वर्ष यह प्रकाश–पर्व हर्ष व उल्लास से मनाते हैं। भारतीयों का विश्वास है कि सत्य की सदा जीत होती है झूठ का नाश होता है। दीपावली यही चरितार्थ करती है– असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय। दीपावली स्वच्छता व प्रकाश का पर्व है। कई सप्ताह पूर्व ही दीपावली की तैयारियाँ आरंभ हो जाती हैं। लोग अपने घरों, दुकानों आदि की सफाई का कार्य आरंभ कर देते हैं। घरों में मरम्मत, रंग–रोगन, सफेदी आदि का कार्य होने लगता है। लोग दुकानों को भी साफ–सुथरा कर सजाते हैं। बाजारों में गलियों को भी सुनहरी झंडियों से सजाया जाता है। दीपावली से पहले ही घर–मोहल्ले, बाजार सब साफ–सुथरे व सजे–धजे नजर आते हैं। इन दिन पहनने के लिए नए कपड़े बनवाए जाते हैं, मिठाइयां बनाई जाती हैं। इस दिन देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है इसलिए उनके आगमन और स्वागत के लिए घरों को सजाया जाता है। दीपावली शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के दो शब्दों 'दीप' अर्थात 'दिया' व 'आवली' अर्थात 'लाइन' या 'श्रृंखला' के मिश्रण से हुई है। कुछ लोग 'दीपावली' तो कुछ 'दपावली' य वही कुछ लोग 'दिवाली' तो कुछ लोग 'दीवाली' का प्रयोग करते है। यहाँ यह जान लेना जरूरी है कि प्रत्येक शुद्ध शब्द का प्रयोग उसके अर्थ पर निर्भर करता है। शुद्ध शब्द 'दीपावली' है, जो 'दीप'(दीपक) और 'आवली'(पंक्ति) से मिलकर बना है। जिसका अर्थ है 'दीपों की पंक्ति'। 'दीप' से 'दीपक' शब्द की रचना होती है। 'दिवाली' शब्द का प्रयोग भी गलत है क्योंकि उपयुक्त शब्द 'दीवाली' है। 'दिवाली' का तो इससे भिन्न अर्थ है। जिस पट्टेध पट्टी को किसी यंत्र से खींचकर खराद सान आदि चलाये जाते है ,उसे दिवाली कहते है इसका स्थानिक प्रयोग दिवारी है और 'दिपाली' 'दीपालि' भी। दीपावली का बिगड़ा हुआ रूप 'दीवाली' है दिवाली नहीं परंतु विशुद्ध एवं उपयुक्त शब्द दीपावली है। इसके उत्सव में घरों के द्वारों, घरों व मंदिरों पर लाखों प्रकाशकों को प्रज्वलित किया जाता है। दीपावली जिसे दिवाली भी कहते हैं उसे अन्य भाषाओं में अलग–अलग नामों से पुकार जाता है जैसे : 'दीपावली' (उड़िया), 'दीपाबॉली' (बंगाली), 'दीपावली' (असमी, कन्नड़, मलयालम, तमिल, और तेलुगू), 'दिवाली' (गुजरातीः हिवाणी, हिन्दी, दिवाली, मराठीः 'दिवाळी', कोंकणीः दवाळी, पंजाबी), 'दियारी' (सिंधीःदियारी), और 'तिहार' (नेपाली) मारवाड़ी में दियाळी। हिंदू धर्म की धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन माता लक्ष्मी का जन्म हुआ था और इसी दिन माता लक्ष्मी का शुभ विवाह भगवान विष्णु के साथ हुआ था इसलिए हिंदू धर्म के लोग जिन माता लक्ष्मी की पूजा करते हैं और घर को रोशन करके इन दोनों के विवाह विवाह के जश्न को उत्साह से मनाते हैं। इसी दिन या ने कार्तिक माह की अमावस्या के दिन भगवान विष्णु के पांच में अवतार ने माता लक्ष्मी को राजा बाली के चंगुल से मुक्त करवाया था तो इसलिए भी माता लक्ष्मी की पूजा इसी दिन की जाती है। इसी दिन भगवान राम अपने १४ साल के वनवास को पूरा किया और माता सीता को साथ लेकर अयोध्या लौटे थे तो उनके अयोध्या लौटने की खुशी में अयोध्या वासियों ने पूरे अयोध्या नगर में दीपों को जलाकर नगर को रोशन किया था और उनकी आने की खुशी मनाई थी। वहीं से लेकर आज तक हर भारतवासी इस त्यौहार

को बड़े हर्ष और उल्लास से बनाता है। महाभारत की मान्यता के अनुसार कार्तिक माह की अमावस्या के दिन पांडवों का १२ वर्ष का वनवास पूरा हुआ था तो उनसे नगर के लोग जो हमसे प्यार करते थे उन्होंने गांव नगर को रोशन करके धूमधाम से बनाया था। दिवाली के साथ ही हिंदू व्यवसाय का नव वर्ष शुरू हो जाता है और इसी दिन के साथ ही अपने सभी ने बही खातों को नया की जाता और हिंदू व्यवसाई के द्वारा अपने पुराने ऋण को चुकता किया जाता है। इसी दिन सिक्खों के गुरु अमर दास ने संस्थागत किया था जिसके बाद से सभी से ईसी दिन अपने गुरु से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। सन १५७७ ईसवी में दीपावली के दिन ही अमृतसर में स्वर्ण मंदिर की आधारशिला रखी गई थी। यह त्योहार पांच दिनों तक मनाया जाता है। धनतेरस से भाई दूज तक यह त्योहार चलता है। धनतेरस के दिन व्यापार अपने नए बहीखाते बनाते हैं। अगले दिन नरक चौदस के दिन सूर्योदय से पूर्व स्नान करना अच्छा माना जाता है। अमावस्या यानी कि दिवाली का मुख्य दिन, इस दिन लक्ष्मीजी की पूजा की जाती है। खील–बताशे का प्रसाद चढ़ाया जाता है। नए कपड़े पहने जाते हैं। फुलझड़ी, पटाखे छोड़े जाते हैं। दुकानों, बाजारों और घरों की सजावट दर्शनीय रहती है। अगला दिन परस्पर भेंट का दिन होता है। एक–दूसरे के गले लगकर दीपावली की शुभकामनाएं दी जाती हैं। लोग छोटे–बड़े, अमीर–गरीब का भेद भूलकर आपस में मिल–जुलकर यह त्योहार मनाते हैं। कुछ लोग इस दिन जुआ खेलते हैं, जो घर व समाज के लिए बड़ी बुरी बात है। हमें इस बुराई से बचना चाहिए। पटाखे सावधानीपूर्वक छोड़ने चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि हमारे किसी भी कार्य एवं व्यवहार से किसी को भी दुख न पहुंचे।

किसानों को तोहफाः ३३ करोड़ का दलहनी बीज बांटेगी योगी सरकार

लखनऊ। यूपी में सूखे के बाद बाढ़ की मार झेल रहे किसानों के लिए राहत की खबर है। सरकार ने फैसला किया है कि मौसम से प्रभावित किसानों को दलहन के बीज के मिनी किट मुफ्त दिए जाएंगे। इस पर लगभग ३३ करोड़ रुपये का खर्च आएगा। प्रदेश सरकार ने अपने स्तर से मौसम से प्रभावित किसानों को निरूशुल्क चना (प्रति किट १६ किग्रा) एवं मसूर (प्रति किट ८ किग्रा) के २.५ लाख मिनीकिट निरूशुल्क बांटने का निर्णय लिया है। इस तरह किसानों को कुल १२ हजार कुंतल मसूर एवं १६ हजार कुंतल चने की उन्नत प्रजातियों के बीज निःशुल्क मिलेंगे। प्रदेश के कृषि जलवायु क्षेत्र (एग्रो क्लाइमेट जोन) की उपयोगिता के अनुसार २८ हजार कुंतल दलहनी के अन्य फसलों के बीज भी किसानों को निःशुल्क दिए जाएंगे। इस पर कुल लगभग ३३ करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इसके

अंतर्गत प्रदेश की उस दो लाख हेक्टेयर भूमि को प्राथमिकता में रखा गया है जिसमें सूखे की वजह से किसान खरीफ की बोआई नहीं कर सके थे। साथ ही उन किसानों को भी प्राथमिकता दी जाएगी जो सूखे एवं बाढ़ से अधिक प्रभावित रहे। इसके पहले अगस्त में सूखे की आशंका के मद्देजर भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुआई में हुई ताबड़तोड़ बैठकों में इसमें दो करोड़ किसानों को तोरिया (लाही) बीज के निरूशुल्क किट, उद्यान विभाग के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस या सेंटर अफ मिनी एक्सीलेंस से संबंधित क्षेत्र के कृषि जलवायु क्षेत्र के अनुसार सब्जियों के पौध एवं सब्जी बीज के मिनीकिट उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। यही नहीं इस दौरान नलकूपों से बकाये में बिजली न काटने, राजस्व वसूली पर रोक और कम बारिश की वजह से होने वाली क्षति के आंकलन के भी निर्देश दिए थे। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि किसान समय से रबी की तैयारियां कर सकें। खेत की तैयारी से लेकर खाद–बीज जैसे जरूरी ंषि निवेश जुटाना आसान हो इसके लिए पात्र किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत २०००–२००० रुपये की १२वीं किश्त रिलीज की जा चुकी है। पीएम किसान सम्मान योजना के तहत उत्तर प्रदेश के २.६ करोड़ से अधिक किसानों के खातों में ११ किश्तों के जरिए ४८३११ करोड़ रुपये भेजे जा चुके हैं। १२वीं किश्त जारी होने के बाद यह रकम और बढ़ गयी होगी।

लखनऊ में ट्यूशन पढ़ाने वाली युवती से गैंगरैप

लखनऊ। राजधानी में विभूतिखंड के कठौता इलाके में ट्यूशन पढ़ाने वाली युवती से अटो सवार दो बदमाशों ने कथित रूप से बलात्कार किया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, युवती ने शनिवार को कठौता चौराहे पर दमकल केंद्र के निकट ट्यूशन पढ़ाने के बाद अपने घर के लिए अटो रिक्शा लिया था। उन्होंने कहा कि युवती ने बताया कि अटो में ड्राइवर के अलावा एक अन्य यात्री भी बैठा था और दोनों ने कथित रूप से उससे बलात्कार किया। थाना प्रभारी (विभूतिखंड) राम सिंह ने बताया कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ रविवार को मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि युवती को चिकित्सकीय जांच के लिए भेजा गया है।

खिलाड़ी अक्षय कुमार की 'राम सेतु' का सांग 'जय श्रीराम' हुआ लांच

मुंबई। बॉलीवुड के खिलाड़ी यानि अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'राम सेतु' का लोगों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। इसी बीच उनकी इस आगामी फिल्म का गाना 'जय श्री राम' रिलीज हो गया है। सांग के

बोल भी भगवान श्रीराम की छवि को दर्शाते हुए लिखे गए हैं। इस गाने के लन्च होते ही उनके फैंस फिल्म को लेकर अब और भी एक्साइट हो गए हैं। खिलाड़ी अक्षय की ये फिल्म 'राम सेतु' २५ अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके जो गाना रिलीज हुआ है। उसके रचियता और गायक विक्रम मोंट्रोस हैं। यह सांग लोगों में जोश भरने वाला भक्ति गीत है। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक शर्मा ने किया है। फिल्म को लेकर ट्रेड एक्सपर्ट का मानना है कि, फिल्म 'राम सेतु' की ओपनिंग जबरदस्त होगी और फिल्म ओपनिंग में ही १६–१८ करोड़ रुपये का बिजनेस कर सकती है। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ जैकलीन फर्नांडीज, नुसरत भरुचा, सत्य देव, नासिर, प्रवेश राणा और जेनिफर पिकिनाटो भी भूमिका निभाती दिखाई देंगी। अक्षय कुमार की फिल्म राम सेतु के साथ ही अजय देवगन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत सिंह स्टारर की फिल्म 'थैंक गॉड' भी रिलीज होगी। ऐसे में ये दोनों बिग स्टार आमने–सामने होंगे। ऐसे में अब दर्शक ही दोनों की फिल्म का फैसला करेंगे।

मैनपुरी सीट पर जल्दी ही उपचुनाव की घोषणा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन से खाली हुई मैनपुरी सीट पर जल्दी ही उपचुनाव की घोषणा हो सकती है। यह चुनाव बहुत

दिलचस्प होगा। इसका एक कारण तो यह है कि नेताजी यानी मुलायम सिंह के परिवार से कौन चुनाव लड़ेगा और दूसरा यह कि भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी क्या करेंगे? क्या भाजपा नेताजी की सीट पर उपचुनाव में उनके परिवार के किसी सदस्य के खिलाफ उम्मीदवार उतारेगी? अभी महाराष्ट्र में पंरपरा का हवाला देकर पार्टी ने दिवंगत विधायक रमेश लटके की पत्नी के खिलाफ उम्मीदवार नहीं दिया। क्या उत्तर प्रदेश की मैनपुरी सीट पर भी ऐसा हो सकता है? भाजपा के शीर्ष नेताओं ने मुलायम सिंह के निधन पर उनके प्रति जिस तरह का अपनापन दिखाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मुलायम सिंह ने उनको आशीर्वाद दिया था, जो उनकी धरोहर है, उसे देखते हुए यह सवाल उठ रहा है। उससे पहले यह तय होना है कि मुलायम सिंह के परिवार से कौन सदस्य चुनाव लड़ेगा। अभी तक धर्मेंद्र यादव सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। वे पहले बदांयू से सांसद होते थे। वे पिछली बार वहां से हार गए थे। पिछले दिनों अखिलेश यादव ने आजमगढ़ सीट से इस्तीफा दिया तो धर्मेंद्र यादव वहां से लड़े लेकिन पार्टी का गढ़ रहे इस सीट पर वे १० हजार के करीब वोट से हार गए। सो, अब मैनपुरी से उनके नाम पर विचार हो रहा है। मुलायम सिंह के पोते तेज प्रताप यादव एक बार मैनपुरी से सांसद रहे हैं। वे लालू प्रसाद के दामाद भी हैं। सो, उनका भी दावा इस सीट पर है। अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव के नाम की भी चर्चा है लेकिन इसकी संभावना कम है कि वे लड़ेंगी।

थिएटर सुपरस्टार नटी बिनोदिनी की बनेगी बायोपिक, कंगना रनौत निभाएंगी किरदार

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत बंगाल की प्रतिष्ठित थिएटर सुपरस्टार में से एक नटी बिनोदिनी की बायोपिक में काम करती नजर आएंगी। कंगना

रनौत ने बताया है कि वह जल्द ही बंगाल की सबसे प्रतिष्ठित थिएटर सुपरस्टारों में से एक नटी बिनोदिनी की बायोपिक में काम करने जा रही हैं। इस प्रोजेक्ट को प्रकाश कपाड़िया ने लिखा है और इसको प्रदीप सरकार निर्देशित करेंगे। कंगना रनौत ने कहा कि मैं प्रदीप सरकार जी की बड़ी फैन रही हूं और इस उनके साथ काम करने के इस अवसर को पाकर मैं बहुत खुश हूं।यह मेरा प्रकाश कपाड़िया जी के साथ पहला प्रोजेक्ट है और मैं इस देश के कुछ महानतम कलाकारों के साथ इस जर्नी का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। गौरतलब है कि नटी बिनोदिनी ने १२ साल की उम्र से थिएटर में एक्टिंग करना शुरू कर दिया था। उन्हें बंगाली थिएटर के पहले स्टार्स में गिना जाता है। उन्होंने अपने ११ साल के करियर में प्रमिला, सीता, द्रौपदी, राधा, आयशा, कैकेयी, मोती भाभी और कपालकुंडला सहित कई भूमिकाएं निभाईं थीं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक